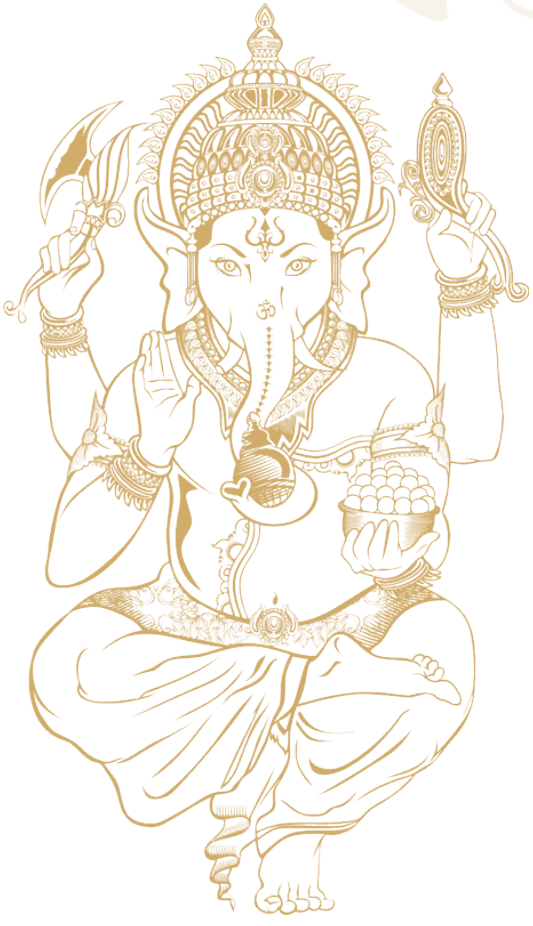

Rohit murmu

30 Jan 2026

12:14 AM

Bankura

Model: web-freekundliweb

Order No: 121363108

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/01/2026**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:14:00 घंटे**
इष्ट	44:37:14 घटी
स्थान	**Bankura**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	23:14:00 उत्तर
रेखांश	87:05:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:18:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:32:20 घंटे
वेलान्तर	-00:13:05 घंटे
साम्पातिक काल	09:08:27 घंटे
सूर्योदय	06:23:06 घंटे
सूर्यास्त	17:26:42 घंटे
दिनमान	11:03:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:38:55 मकर
लग्न के अंश	18:26:10 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वैधृति
करण	बव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:26:10	319:06:43	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			मक	15:38:55	01:00:55	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	03:28:25	14:34:56	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	10:46:06	00:46:55	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
बुध		अ	मक	21:20:38	01:45:11	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:23:22	00:06:57	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	21:10:09	01:15:19	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	04:12:05	00:05:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:03:00	00:04:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:03:00	00:04:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:55	00:00:17	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:51:22	00:01:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:24:10	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	20:25:30	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:24

लग्न-चलित

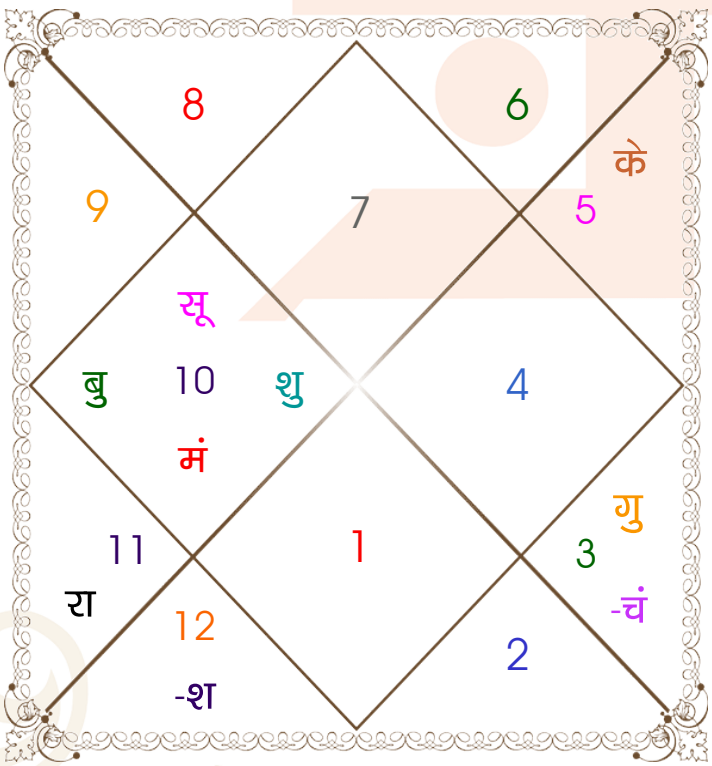

चन्द्र कुंडली

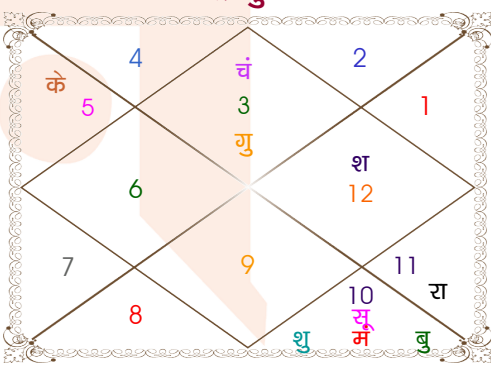

नवमांश कुंडली

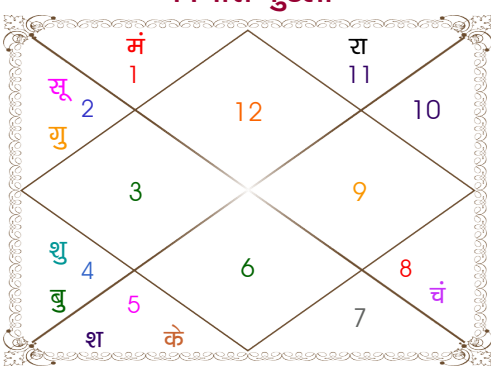

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 8 मास 3 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/01/2026		04/10/2027		03/10/2045		03/10/2061		03/10/2080	
04/10/2027		03/10/2045		03/10/2061		03/10/2080		03/10/2097	
	00/00/0000	राहु	16/06/2030	गुरु	21/11/2047	शनि	06/10/2064	बुध	02/03/2083
	00/00/0000	गुरु	09/11/2032	शनि	04/06/2050	बुध	16/06/2067	केतु	27/02/2084
	00/00/0000	शनि	16/09/2035	बुध	09/09/2052	केतु	25/07/2068	शुक्र	28/12/2086
	00/00/0000	बुध	04/04/2038	केतु	16/08/2053	शुक्र	25/09/2071	सूर्य	03/11/2087
	00/00/0000	केतु	22/04/2039	शुक्र	16/04/2056	सूर्य	06/09/2072	चंद्र	04/04/2089
	30/01/2026	शुक्र	22/04/2042	सूर्य	02/02/2057	चंद्र	07/04/2074	मंगल	01/04/2090
शुक्र	28/10/2026	सूर्य	17/03/2043	चंद्र	04/06/2058	मंगल	17/05/2075	राहु	18/10/2092
सूर्य	05/03/2027	चंद्र	15/09/2044	मंगल	11/05/2059	राहु	23/03/2078	गुरु	24/01/2095
चंद्र	04/10/2027	मंगल	03/10/2045	राहु	03/10/2061	गुरु	03/10/2080	शनि	03/10/2097

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/10/2097		04/10/2104		04/10/2124		05/10/2130		04/10/2140	
04/10/2104		04/10/2124		05/10/2130		04/10/2140		00/00/0000	
केतु	01/03/2098	शुक्र	04/02/2108	सूर्य	22/01/2125	चंद्र	05/08/2131	मंगल	02/03/2141
शुक्र	02/05/2099	सूर्य	03/02/2109	चंद्र	23/07/2125	मंगल	05/03/2132	राहु	21/03/2142
सूर्य	06/09/2099	चंद्र	05/10/2110	मंगल	28/11/2125	राहु	04/09/2133	गुरु	25/02/2143
चंद्र	07/04/2100	मंगल	05/12/2111	राहु	23/10/2126	गुरु	04/01/2135	शनि	04/04/2144
मंगल	04/09/2100	राहु	04/12/2114	गुरु	11/08/2127	शनि	04/08/2136	बुध	02/04/2145
राहु	22/09/2101	गुरु	04/08/2117	शनि	23/07/2128	बुध	04/01/2138	केतु	29/08/2145
गुरु	29/08/2102	शनि	04/10/2120	बुध	29/05/2129	केतु	05/08/2138	शुक्र	31/01/2146
शनि	08/10/2103	बुध	05/08/2123	केतु	04/10/2129	शुक्र	04/04/2140		00/00/0000
बुध	04/10/2104	केतु	04/10/2124	शुक्र	05/10/2130	सूर्य	04/10/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 8 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।